

ICRG Project BIHAR

Pond	Normal Practices 	<ul style="list-style-type: none"> खेत तालाब का चयन, मिटटी, जमीन की ढाल, बोई जाने वाली फसलें एवं जलग्रहण क्षमता के आधार पर करें। कुछ आछादित क्षेत्र का 5 प्रतिशत या 10 प्रतिशत क्षेत्र के आधार पर तालाब का निर्माण करें। सामान्य खुदाई के बाद तालाब से पानी का अपक्षरण व रिसाव ज्यादा होता है। सामान्य तालाब के पास धान और दलहनी फसल की संभावना रहती है, क्योंकि पानी प्रयाप्त नहीं होती है। 	Climate Resilient 	<ul style="list-style-type: none"> तालाब का आकार उपलब्ध जल अपवाह और जल मांग की मात्रा गणना कर निकालें। जल मात्रा की गणना अवश्य करें= क्षेत्र की सिंचाई×सिंचाई की गहराई=1 हेक्टेयर×10 सेमी= 10000 स्वायर मी×0.1 मी=10000 क्यूबीक मीटर पानी तालाब में अस्तर करें। लाल मिटटी में ज्यादा और काली मिटटी में कम जरूरत होती है, नहीं हो 95 प्रतिशत पानी का नुकान होता है। तालाब में जल उपलब्धता जलवायु अनुरूप फसल उत्पादन एवं आय में लगभग 25 प्रतिशत बढ़ती है।
	Impacts (CR):			
Ahar-pyne	Normal Practices 	<ul style="list-style-type: none"> दक्षिण बिहार की पराम्परागत सिंचाई संरचना है। आहार और पाईन का निर्माण अलग अलग करते हैं। मरम्मत कार्य की आवश्यकता रहती है, हर वर्ष आंकलन की जरूरत। मरम्मत/लागत खर्च कम आता है, गाद और गोम के आधार पर मरम्मत करें। इस संरचना में सिंचाई एवं बाढ़ पानी का निकासी भी किया जाता है, अतः ढाल के साथ काम करें। 	Climate Resilient 	<ul style="list-style-type: none"> दक्षिण बिहार के 35 प्रतिशत क्षेत्रफल 2.5 मिलियन हेक्टेयर है और उत्तरी बिहार में 3 मिलियन क्षेत्रफल आहर पाईन से सिंचाई होता है। अतः इसकी विशेष रख-रखाव का जरूरत है। ये सामुदायिक संरचना है अतः संरचना में सामुदायिक सहभागिता जरूरी है जिससे ज्यादा प्रभावी उपयोग किया जा सके। 100 वर्ष पुराने इस संरचना को बचाने के लिए नए योजना एवं नए संरचना के साथ इसपर भी कार्य होना चाहिए। अहार की मेड पर वृक्षारोपण करें, हाथिया नक्षत्र में धान के लिए वर्षा न होने पर संकट सिंचाई करें, रबी की दलहनी फसल आहार की बेड पर बिना खाद की जा सकती है।
	Impacts (CR):			
Plantation	Normal Practices 	<ul style="list-style-type: none"> नरेगा में श्रेणी अ और ब दोनों में वृक्षारोपण का कार्य लिया जाता है। वृक्षारोपण का कार्य कई जगह लिया जा सकता है, अलग अलग जगह विभिन्न प्रजातियों का चयन करें। गड्डे का आकार एवं पौधे से पौधे की दूरी वृक्ष के आकार पर करें। वृक्षारोपण हेतु अन्य विभाग से अभिसरण किया जा सकता है। 	Climate Resilient 	<ul style="list-style-type: none"> वृक्षारोपण का कार्य लोगों की आजिविका एवं भौगोलिक दशा पर चयन करें। समय पर रोपण, सुरक्षा, खाद, पानी एवं निडाई गंडाई करें। वृक्ष लगाने वाले सीन का मिटटी की जांच कर लें वृक्ष के साथ अन्तः फसल/चारा लगाए। सिंचाई एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें जिससे कम से कम पौधे मरे। मरे पौधों के स्थान पर गैप फिलिंग करें।
	Impacts (CR):			
Earthen Dam	Normal Practices 	<ul style="list-style-type: none"> मिटटी के बांध का मुख्य उद्देश्य सिंचाई एवं भूमिगत जल स्तर को बढ़ाना है। बांध में जल निकासी मार्ग की व्यवस्था रखें। भौगोलिक दशा के आधार पर संरचना का निर्माण करें। वेस्ट वियर का निर्माण अतिरिक्त पानी के निकास के लिए। 	Climate Resilient 	<ul style="list-style-type: none"> जहां वर्षा के दिन कम होते हैं वहां खरीफ सिंचाई एवं लोगों की आजिविका हो सके इसका ध्यान रखें। निकास मार्ग के पास 5 प्रतिशत से ज्यादा ढाल लना हो जिससे ज्यादा पानी को रोका जा सके। भौगोलिक दशा के अलावा उपलब्ध लोकल सामग्री के आधार पर डिजाईन बनाना। वेस्ट वियर का निर्माण बांध के कुल जल भराव के आधार पर डिजाईन करें।
	Impacts (CR):			
Land Development	Normal Practices 	<ul style="list-style-type: none"> कृषि अयोग्य भूमि या ढालदार भूमि का विभिन्न गतिविधियों द्वारा कृषि योग्य एवं समतल बनाना मुख्य कार्य है। ढाल ज्यादा होने पर खेतों को सीढ़ीनुमा बनाना और समतल करना। तालाब के गाद को सामान्य रूप से खेत में फेंकाए। 	Climate Resilient 	<ul style="list-style-type: none"> इस प्रकार की भूमि में जल धारण क्षमता एवं पोषक तत्व की मात्रा कैसे बढ़ाए जाए तथा तालाब के गाद को इस भूमि के उपर डाला जाए। मेंदों पर धास और फलदार झाड लगाना, जल निकासी हेतु पत्थर का आउटलेट बनाना। एक एकड़ खेत में 50 घनमीटर गाद की आवश्यकता होती है, तालाब के गहरे हिस्से से गाद निकालें।
	Impacts (CR):			